



हजरत मुहीउद्दीन अल खलीफतुल्लाह मुनीर

अहमद अजीम (अ स)

03 April 2020 09 Shabaan 1441 AH
अनुवादक : फातिमा जास्मिन सलीम
EMAIL: fjasmine14@gmail.com

जुम्मा खुतुबा

विषय:-

अल्लाह का
संकेत (भाग.4)



अपने सभी चेलों सहित सभी नए चेलों, (और दुनिया भर के सभी मुसलमानों) को शांति का अभिवादन करने के बाद हज़रत खलीफ़तुल्लाह (अ त ब अ) तशहूद, तौज, सूरह अल फातिहा पढ़ने के बाद और फिर उन्होंने अपना उपदेश दिया।

अल्लाह का संकेत (भाग.4) **कोरोनविरस / COVID-19 (विश्व्यापी रोग)**

ईश्वर के दूत के रूप में, और इस सदी के ईमान के नवजीवनदाता, अल्लाह ने मेरे सत्यवादिता के पक्ष में कई संकेत भेजे, यथार्थ पिछली सदी के जैसे, वहाँ कई संकेत थे, वादा किये गए मसीह हज़रत मिर्ज़ा गुलाम अहमद (अ.स.) के पक्ष में निशानी के रूप में ताऊन (प्लेग) के संकेत के सहित।

अपनी पुस्तक "अवर टीचिंग्स" में हज़रत मिर्ज़ा गुलाम अहमद (अ.स.) लिखते हैं: "विपत्ति प्रहार नहीं होता, यदि वहाँ स्वर्ग से निकलने वाला कोई आदेश नहीं है, और कोई विपत्ति को हटाया नहीं जा सकता, अगर दया स्वर्ग से नहीं उतरती है।"

कोरोनोवायरस महामारी (विश्व्यापी रोग) के बारे में, यह अल्लाह की ओर से गंभीर चेतावनी है, यह ताड़ना [चेतावनी] उनके लिए बनी रहती है जो विरोध करने में दृढ़ रहते हैं, क्योंकि वह प्रचलित पाप द्वारा बहुत चिह्नित हैं, शत्रुता और लोगों की उदासीनता और इस तरह से इंशा-अल्लाह, कोरोनावायरस को प्रार्थना से मिटा दिया जा सकता है।

अल्लाह की कृपा से, **मंगलवार, 24 मार्च 2020** को मुझे सलात-उल-जुहर के बाद एक रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ और मैं मुसल्ला पर बैठा और इस घातक वायरस के विषय में मैंने बहुत दुआएँ कीं। मुझे निम्नलिखित रहस्योद्घाटन प्राप्त हुए:

"कोरोनवायरस / COVID (कोविड) -19 महामारी तब तक नहीं जाएगी, जब तक कि पाप और उल्लंघन पहले बदली जाएगी। पापों के कारण उज्ज्वल सूर्य कजला गया है। पृथ्वी ने डराने और चेतावनी देने के लिए इस महामारी या विश्व्यापी रोग का शुभारंभ किया है।" (यह रहस्योद्घाटन है)।

कोरोनवायरस / COVID -19, महामारी या विश्व्यापी रोग, एक महान संकेत दिखाता है। इसे हल्के में न लें और ईश्वरीय संकेत की ओर अपनी पीठ न मोड़ें। हाँ! आपको अधिकारियों के निर्देशों को सुनना और

मानना होगा और बहुत सारी सावधानी बरतनी होगी, ताकि कोरोनावायरस द्वारा दूषित न हो। लेकिन अल्लाह ने जो फैसला किया है, उसे कोई भी उस फरमान को पलट नहीं सकता। यह ईश्वर है जो सर्वशक्तिमान है; वह कोई प्राणी नहीं है जिसके पास वे क्या चाहते हैं करने की शक्ति हो।

इसलिए आपको दवा या अन्य निवारक का उपयोग करने की मनाहि नहीं है [इस्लाम द्वारा प्रोत्साहित किए गए उपाय-कुरान और सुन्नत], लेकिन आप इन पर पूरी तरह से निर्भर होने से प्रतिबंधित हैं। क्योंकि अंततः जो प्रकट होगा यह ईश्वर की इच्छा है। यदि कोई ऐसा कर सकता है, तो उसे परमेश्वर पर विश्वास करने दें, क्योंकि ईश्वर पर विश्वास करना असंदिग्ध आश्वासन है। सिर्फ आस्था ही नहीं बल्कि ईमानदारी भी। सच्ची श्रद्धा।

दुनिया भर के कई देशों में संपूर्ण लॉकडाउन है। कार्यालय, स्कूल (प्राथमिक, माध्यमिक, विश्वविद्यालय, व्यावसायिक संस्थान आदि) दुकानें-बाजार और सुपरमार्केट आदि-बंद हैं [सिवाय सख्त शर्तों के तहत 02 अप्रैल 2020 से विशेष रूप से मॉरीशस में] और सभी को घर पर रहना है, ताकि हमारे साथी मनुष्यों-हम जैसे लोगों के साथ संपर्क न हो।

यदि व्यक्ति संक्रमित है, तो अन्य प्राणियों के साथ संपर्क करने में सावधान रहें, तो आप भी संक्रमित हो सकते हैं। इसलिए बजाय इसके अपने निर्मित की ओर मुड़ें। ईश्वर (ब्रह्मांड का निर्माता) के साथ संपर्क रखना बहुत अच्छा होता है। घातक वायरस आप पर हमला नहीं कर सकता, जब आप ब्रह्मांड के निर्माता के संपर्क में हैं। अल्लाह इस घातक कोरोनावायरस को बनाएगा जो असहाय हो जायेगा और जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलने के द्वार को ले लेगा। इंशा अल्लाह।

हालाँकि इंसान COVID -19 महामारी या विश्वव्यापी रोग को जबरदस्ती और बलपूर्वक गायब नहीं कर सकता और उसके पास ऐसे दुश्मन को बाहर निकालने की शक्ति नहीं है, हालाँकि अल्लाह सर्वशक्तिमान ने मुझे इस दिव्य संदेश को पूरी मानवता तक पहुंचाने के लिए प्रकट किया है। यह वो है जो अल्लाह ने मुझे बताया है।

अल्लाह कहता है: "इस शत्रु के कारण मेरे सामने शोक प्रकट करना और रोना; क्योंकि इसका पीछा करना केवल मेरी पूर्ण शक्ति द्वारा संभव है। ऐसा मेरा नियम है, हे मेरे सेवक! यद्यपि आप इसके [या उसके] शत्रुता के सामने असहाय हैं, फिर भी प्रयास करें और इसके निबंधन में नहीं आते। हमेशा इसके साथ युद्ध में रहें और जितना हो सके, अपनी शत्रुता के खिलाफ लड़ो और मुझ से खुद की मदद के लिए आरजू-मिन्नत करना, अल्लाह से, दुआओं और विनम्रता के साथ। जब आप अपनी आत्मा के भीतर से मेरी सहायता माँगते हैं, और सच्चे दिल से, मैं अपनी शक्ति तुम्हारे हाथों में भेजता हूँ और मैं तुम्हारे हाथों को मजबूत बनाता हूँ और इसके खिलाफ दबंग होना, ताकि आप इस दुश्मन के सिर को मेरी ताकत और ईमानदारी की तलवार से काट सकें। तो, सच में, यह आप नहीं हैं जो इसे मार रहे हैं, यह मैं ही हूँ जो इसे मार रहा हूँ।"

आप कह सकते हैं: "हे मेरे प्रभु! ऐसा करने वाला मैं नहीं था। मैं कहाँ से इस ताकत और शक्ति को ऐसे दुश्मन का सामना करने के लिए निकाल पाऊँगा? जब मैं इतना कमज़ोर और एक तिनके से भी अधिक अपंग हूँ, मैं इस तरह के पहाड़ को कैसे उखाड़ सकता हूँ, कंकड़ की तरह कुचल देना और इसे धूल और पृथ्वी की तरह हवा में फेंक देना?"

अल्लाह जो सर्वश्रेष्ठ है कहता है: "जब मेरी शक्ति एक तिनके, पहाड़ों से जुड़ती है, यह एक परमाणु से कम हो जाते हैं। लेकिन जब तुमने, इस लाचारी और कमज़ोरी में, तुमने मुझे अपनी वफादारी दिखाई और मुझ पर भरोसा करते हुए, तुमने इस तरह के एक दुश्मन का सामना किया है, और मुझे माना की मैं मौजूद हूँ, देखने वाला हूँ और शासन करने वाला हूँ, यही कारण है की, मैंने आपकी कमज़ोरी को ताकत में बदल दिया। मैं तुमसे सब कुछ स्वीकार करता हूँ और मैं तुम्हारा आभारी हूँ। लेकिन सच में यह मैं ही था जिसने सब कुछ किया।

अतः, मैं अपने सेवकों को शक्ति देता हूँ और मैं उनका मार्गदर्शन करता हूँ, ताकि वे दुश्मन को बाहर निकाल कर, मेरे उपहार और मेरे मार्गदर्शन को धन्यवाद करेंगे। और मैं उनसे इसे स्वीकार करता हूँ, मैं उनके प्रति आभारी हूँ, और यह उनके लिए है कि मैं इसकी विशेषता हूँ। दूसरी ओर, मैं उन्हें अनगिनत असीम पुरस्कार और लाभ दूँगा, और मैं उनकी प्रशंसा का जश्न मनाऊँगा और एक हजार भाषाओं में उनका अभिनन्दन करूँगा, और मैं उनके नाम की कसम लेता हूँ। और जीवों पर मैं जो भी दया करता हूँ, वह उनके प्रति प्यार से होगा। और सभी क्रोध जो मैं दिखाता हूँ, और सभी दर्द जिससे मैं विद्रोहियों को दंड देता हूँ, मेरे अच्छे सेवकों का बदला लेने के लिए है। उन्हें सेवा प्रदान करने के लिए [अर्थात् उन्हें मदद करने के लिए] मेरे लिए सेवा प्रदान करना है [अर्थात् मेरी मदद करने के लिए]।

जिसने भी उन्हें देखा उसने मुझे देखा है। और जो कोई उन पर हमला करता है, वह मुझ पर हमला करते हैं। जो कोई भी उन्हें चुनता है, वह मैं ही हूँ जिसे वह चुनते हैं। उनके लिए उनसे दोस्ती दरसल मुझसे दोस्ती है। उनके प्रति शत्रुता दरसल मेरे प्रति है। जिस किसी ने भी तुम्हें देखा दरसल उसने मुझे देखा है। जिसने भी तुम पर हमला किया है उसने दरसल मुझ पर हमला किया है। और मैं माफ करता हूँ और केवल उन्हें संतुष्ट रखने के लिए उन पर दया करता हूँ और उन्हें संतुष्टि देता हूँ। और जिस किसी को मैं दोष के मेरे प्रकोप और जिस किसी को मैं गवाही देने के लिए दर्द उत्पन्न करता हूँ, इसका कारण दर्द और कष्ट हैं जो उनके कारण मेरे सेवकों को भुगतना पड़ा। क्योंकि मैं अल्लाह हूँ, मैं बिना विपरीत और बिना समकक्ष हूँ। मैंने सेवकों को बनाया और उन्हें अनुमति दी, की वे मेरे पास आयें, ताकि वे मेरे अस्तित्व का दर्पण बन जाएँ। कोई भी उनके बीच मौजूद उन संधियों का वर्णन कर नहीं सकेगा, क्योंकि वहाँ कोई भी विभाजन नहीं हैं, जो यह बताता है कि उनमें से कोई है जो मेरा विरोधी था और मुझसे दुश्मनी रखता था। जो कोई भी विपक्ष और शत्रुता उन पर दिखाता है दरसल वो मुझ पर हमला करता है।

जो कोई भी अल्लाह का सहचर बनना चाहता है और उसके साथ बातचीत करना चाहता है उसे अल्लाह के दूत के पास जाना चाहिए। जो कोई अल्लाह की समिति में रहना चाहता है उसे अवश्य अल्लाह के दूत की समिति में होना चाहिए।"

तो "शत्रु" के विषय में, घातक वायरस, इस सदी की शुरुआत में सर्वशक्तिमान ईश्वर ने मुझ पर प्रकट किया, यह चेतावनी सालों पहले दी गई थी, इससे पहले कि चिकित्सा विज्ञान देशों में अपनी उपस्थिति की भविष्यवाणी करने में सक्षम था।

कोरोनवायरस के विषय पर बात करते हुए, अल्हम्दुलिल्लाह, कल 02 अप्रैल 2020 को, स्थानीय समय (मॉरीशस), सुबह में, मानवता पर मेरा संदेश 31 मार्च 2020 को घातक वायरस आधिकारिक तौर पर हमारे चैनल "साहिह अल इस्लाम" पर लॉन्च किया गया था", और उस दिन 7 मौतें हुईं और मॉरीशस में COVID -19 के 161 सकारात्मक मामले थे। यह आश्चर्य की बात है कि इन आंकड़ों ने मेरी जन्मतिथि बनाई: 7/1/61।

मैं इसे एक रहस्योद्घाटन नहीं कह रहा हूँ। हमें सब कुछ खुलासे के खाते में नहीं डालना चाहिए। जब यह एक रहस्योद्घाटन नहीं है, तो मैं यह नहीं कहूंगा कि यह एक रहस्योद्घाटन है। तो, यह सब अपने विचार के लिए भोजन है। शाम को, सकारात्मक मामलों की संख्या 169 तक पहुंचने के लिए वृद्धि हुई। और संख्या में वृद्धि जारी है, और यहाँ तक कि दुनिया भर में, दस लाख से अधिक और तिरपन हजार से अधिक लोगों की मृत्यु उत्पन्न हुई।

24 मार्च 2020 को शाम के 5:20 बजे, मुझे एक और रहस्योद्घाटन भूकंप के लिए मिला [और रहस्योद्घाटन जो मुझे उसके बाद 27 मार्च 2020 की सुबह प्राप्त हुआ और जो मैंने पिछले सप्ताह के अपने शुक्रवार के उपदेश में उल्लेख किया है, इसकी पुष्टि करता है]। इस भूकंप से पुरुषों, गांवों, खेतों का विनाश होगा और गंभीर रूप से यात्रियों को प्रभावित करेगा। एक अचरज में डालने वाली बात यह है की नग्न आदमी के पास कपड़े पहनने का समय नहीं होगा। नाव/यात्रियों को ले जाने वाले जहाजों को खतरों से बचने के लिए मार्ग बदलने के लिए मजबूर किया जाएगा। पृथ्वी में लगभग हर जगह [महान] मांगपत्र होंगे। खून की नदियाँ, नदियों के पानी को रंग देगा।

पूरी दुनिया को "कोरोनवायरस - COVID -19" की तरह ही ढँक दिया जाएगा। सब पुरुषों, बड़े और छोटे, और सभी सरकारों को इसका प्रभाव भुगतना पड़ेगा।

मैं समझता हूँ, कि इन खुलासों से वैश्विक आपदा का संकेत मिलता है, एक अग्निकाण्ड दुनिया के कई देशों और राष्ट्रों को ढँक देगा। यह सच है, कि खुलासों से भूकंप की बात प्रतीत होती है, लेकिन यह स्पष्ट हो जाता है, कि भूकंप जैसी विपत्ति सारी दुनिया को घेरेगी; जो स्पष्ट रूप से भूकंप की तुलना में कुछ और ज्यादा है। भूकंप स्थानीय हैं, वैश्विक नहीं। यह विपत्ति वैश्विक बन जाएगी।

यह यात्रियों के लिए कठिन होगा, एक संभावना है कि अब इसका सम्बन्ध युद्ध के साथ नहीं मगर भूकंप के साथ होगा। यात्रियों के लिए मौसम कठिन होगा। साधारण समुद्र और भूमि मार्ग खतरनाक होंगे।

इसलिए, जो कोई जमात उल सलीम अल इस्लाम से दूर रहता है, वह हम में से नहीं है। चाहे आप अमीर हों या गरीब, याद रखें, हम कुछ भी हमारे साथ नहीं ले जाते हैं, जब हम इस दुनिया को छोड़ देते हैं इसके बाद के लिए भी। हम सभी केवल अपना विश्वास और अच्छे कर्म ले जाते हैं। परमात्मा की पुकार सुनो, अतः, कि तुम परमात्मा द्वारा स्वीकार किए जा सकते हो।

29 मार्च 2020 को जब मैं मेरे कार्यालय (दीन का काम) में काम कर रहा था, तब लगभग शाम के 5:12 बजे मेरे होंठों पर कुछ मंजु (beautiful) शब्द आए। पहले मुझे गर्मी महसूस हुई और मुझे नहीं पता था कि मेरे साथ क्या हो रहा था। मैंने पंखे को चालू किया और कुछ मिनटों के बाद ये सारे शब्द मानो बारिश की तरह मेरे ऊपर बरस रही हो। अल्हम्दुलिल्लाह।

खुलासे (इलहाम)

कृतघ्न, पापी, गैरजिम्मेदार, लापरवाह होने पर अगर हमें कठोर सजा मिलेगी, प्रकृति या अल्लाह के द्वारा कष्ट मिलेगा, तो अब हम कोई शिकायत नहीं कर सकते हैं या बेखबर रहने के किसी भी मुद्दे को नहीं उठा सकते हैं।

कृपया ध्यान दें, कि हमने प्रकृति शब्द का उपयोग उन लोगों के लिए किया है, जो अल्लाह में विश्वास नहीं करते हैं। जो लोग आस्तिक हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि सब कुछ, जो सभी ब्रह्मांड में होता है वह ईश्वर की आज्ञा और अनुमति के तहत होता है।

हम बहुत निजी कारण से सिनाई और हीरा गए थे और इस तरह की गंभीर खबर सामने आएगी यह हमें नहीं पता था। परमेश्वर के एक ईमानदार सेवक के रूप में यह हमारा कर्तव्य था कि हम इस संदेश को बहुत गहराई से बताएं, इसलिए हमने सूचित किया।

प्रिय अल्लाह हमारा गवाह हैं कि हमने बिना किसी कानून और व्यवस्था को तोड़े और बिना कोई विकार पैदा किए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। लेकिन हम अभी भी प्रार्थना करते हैं और अपने प्यारे अल्लाह से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि "हमें (सभी मानव जाति) सजा से बचाओ और हमें अच्छा बनने का मौका दो और मानव जाति के लिए सर्वश्रेष्ठ बनाओ।" आमीन, सुम्मा आमीन।

पैगंबर नूह (अ स) और लूत (अ स) का इतिहास हमें बताता है कि स्थिति बहुत नाजुक है, उनकी जीवित संदेशों के साथ यह महत्वपूर्ण पुष्टि करता है, कि कुछ बहुत गंभीर होगा। इससे बचने के लिए हमें कुछ अद्भुत और चमत्कारी काम करना होगा और इसके अंतर्गत सुरक्षा में आने के लिए उलटी गिनती करनी होगी।

होने वाली सभी चीजें समयबद्ध और योजना के समान और कार्यक्रमबद्ध की जाती हैं। प्रौद्योगिकी का विज्ञान के अनुसार यह अधिक समझने योग्य है, लेकिन केवल हमारी आशा के साथ और कार्रवाई और

सकारात्मकता और प्रार्थना की योजना के साथ, सब कुछ बदला जा सकता है या आध्यात्मिक दुनिया (स्वर्ग) से देरी से कि जा सकती है।

अल्लाह ने इस विनम्र सेवक (उसके खलीफतुल्लाह) को पृथ्वी पर शांति से सभी के लिए प्यार के साथ, किसी के लिए नफरत नहीं को स्थापित करने के लिए और काम करने के लिए भेजा है। इस पृथ्वी पर हर एक व्यक्ति और हमारी पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए। पृथ्वी को बचाने के लिए और शांति और प्यार के साथ भाईचारे को स्थापित करने के लिए। यह बहुत बड़ा काम है। दरअसल, इस युग में सबसे बड़ा काम है। हे अल्लाह, अपने चुने हुए व्यक्ति की मदद करो, यह विनम्र सेवक है। [आमीन]।

हे मेरे प्यारे मानव जाति, सुनो! आपके पास एक ईश्वर है जो आपसे बहुत अधिक प्यार करता है, जो आपकी सभी समस्याओं का समाधान कर सकता है और आपको सभी प्रकार की कमजोरियों और बीमारी से रोगमुक्त कर सकता है। तो क्या आप उससे प्यार नहीं करेंगे, सिर्फ उसकी प्रार्थना नहीं करेंगे और उसकी आज्ञा नहीं मानेंगे?

तो ये सभी खुलासे एक दूसरे की पुष्टि करते हैं। यह एक तरह की सूचना कि श्रृंखला हैं जो अल्लाह [ईश्वर] के द्वारा अपने चुने हुए सेवक और मानव जाति का मार्गदर्शन अपने सभी दुश्मन के रूपों से कैसे पार किया जाए से कराते हैं। यह दुश्मन वायरस या इंसान या शैतानी आत्मा, आदि भी हो सकता है। और अल्लाह ने हमें इसका उपाय प्रार्थना में और परिश्रमपूर्वक उसकी कुरान की आज्ञाओं का पालन करने में और हमारे प्यारे नबी मुहम्मद (स अ व स) की सुन्नत का पालन करने में दिया है।

अल्लाह की शक्तिशाली मदद के बिना, हम असहाय हैं, लेकिन उसकी मदद और सांत्वना से, हम आध्यात्मिक रूप से मजबूत हो जाते हैं, और कुरान और सुन्नत में अल्लाह द्वारा समर्थित किए गए निवारक उपायों को लागू करते हैं और हमारे तत्सम्बन्धी देशों के अच्छे नागरिक बनकर, और हम इन कानूनों और नियमों का सम्मान करते हैं, हमारे अपने अच्छे के लिए, इसलिए अल्लाह और हमारी प्रार्थनाओं पर भरोसा करके और आदर्श मुसलमान और नागरिक बनकर, हम जहाँ भी रहेंगे इस्लाम के मूल्य और प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। स्वच्छता, भविष्य के उपचार, और यहाँ तक कि परदा पहनने के विषय पर अविश्वासियों को इस्लाम के गुणों को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाएगा। उन्होंने एक बार परदा पहनने पर आलोचना की और यहाँ तक कि इस पर प्रतिबंध लगा दिया, और अब दुनिया अचानक खुद को मास्क पहनने, और खुद को शारीरिक रूप से सुरक्षा की अत्यधिक आवश्यकता में पाता है, जो परदा पहनने के बराबर है - पूर्ण रूप से (जो नाक और मुँह को भी ढँक दे), और बड़ी पोशाक (महिलाओं के लिए)। क्या विडंबना है और क्या उदासी है, पूर्व से पिछला श्रेष्ठ है।

में प्रार्थना करता हूँ कि मानवता अपने लंबे अकर्मण्यता से जाग उठे और एक अल्लाह की रस्सी को पकड़ने के लिए बुरे आचरण को छोड़ दो, उसके कोई साथी बनाये बिना।

दुआओं और निवारक उपायों की बात करते हुए, कल मॉरीशस के जमात उल साहिह अल इस्लाम के एक सदस्य ने (02 अप्रैल, 2020) को एक सपना देखा जहाँ कुरान के कुछ विशिष्ट सूरह को सुनाने का निर्देश दिया गया। वहाँ लगभग एक दर्जन से पंद्रह कुरान के अध्यायों का उल्लेख किया गया था, और उस व्यक्ति ने इन सूरहों का पाठ किया, और जब भी उस सदस्य ने निर्देश किये गए सुरह को भुला दिया, तब इन सूरहों का पाठ करने वाले प्रशिक्षक ने उन्हें फिर से दोहराया, और फिर उस व्यक्ति ने उन्हें बेहतर याद रखने के लिए अपनी उंगलियों पर सूचीबद्ध किया। इन अध्यायों में से सूरह अल-फातिहा का पाठ 7 बार किया गया, सूरह अल-लहब, सूरह अल-फिल, सूरह अल-नसर, सूरह अल-असर और अन्य सूरहों के बीच चार "कुल" - सूरह, सूरह अल-काफ़िरोन, अल-इखलास, अल-फलक और अन-नास।

अतः अल्लाह ज़्यादा ध्यान देने पर अनुरोध करता है। आइए उस पर ध्यान दें। चलिए दिल से, ईमानदारी से उसकी इबादत करें और जब वह हमें इन आपदाओं से बचाता है, तो लापरवाही न बरतें। आइए हम उसका शुक्रिया अदा करें, यहाँ तक कि दर्द में भी, और हमें सबर करना चाहिए। अगर हम सब अल्लाह के पास शुद्ध और सच्चे दिल से लौटते हैं तो संतुष्टि के दिन अब बहुत दूर नहीं है।

इंशा-अल्लाह, आमीन।